श्रीराममन्त्रार्थ

भाषाटीका सहित

रा १

पु १

श्रीमतेरामानुजायनमः श्रीजानकीवल्लभोविजयतेतराम् सच्चिद्रूपगुण
स्वरूपविभवैश्वर्य्यैकदिव्यंवैर्नित्यानंदगुणानुभावकरुणासौंदर्य्यमृतोदधिः त्र्यंतप्रतिपाद्यवस्तुघटनेकर्त्तास्वतंत्रःस्वतो जातश्चंडकरान्वयेविजयतेश्रीजानकीशोविभुः १ टीका श्रीजानकीशनामशोभासहितजोश्रीजानकीजीतिनकेईशनामपतियोश्रीरामचंद्रजीविराजमानहै कैसेहै सत्चिदरूपजोगुणसोस्वरूपहैजिनके और विभवओरऐश्वर्यकेश्रेष्ठ दिव्यस्वरूपहै और नित्यानंदगुणऔरअनुभावनाममहिमाओरकरुणाओरसुंदरताकेअमृतमयसमुद्रहै और वेदनकेअंतनामनिश्चयप्रतिपाद्ययोभगवत्प्राप्तिताकेघटावनेमेस्वतंत्रकर्त्ताहै और चंडकरजोसूर्यतिनकेअन्वयनामवंशमेस्वेच्छाअवतारहै और विभुनामव्यापकहैसामर्थ्यहै १ मूल अयोध्यानगरेरम्येसर्वलोकस्यकारणोसीतयासहिराम

तो

नाम पोथि श्रीरामद लई

श्रीसीतारामायनमः ॥ ग्रंथतत्वविभांगेमंगलाचरणभाखालिख्यते दोहा वंदौशादरगुरुचरणविदित
सुमंगलरूप जासुकृपावरणोकछुकतत्वविभागअनूप १ ब्रह्मजीवकेबीचमहतत्वावरणअपार जा
तत्वन्हतेपरिणितताकेकरिऔविचार चौपाई जातेंदेखिपरहिनहिनेकू आतमपुरपरमातमयेकू ता
तेंतिन्हतत्वनकोभाई करिविभागदेखौसुखपाई १ इच्छागापरईश्वरजवकरही मूलप्रकृतितनतनुधरही
तातेंभवमहतत्वसुहाई तातेंसंज्ञामहदकहाई २ तातेंअहंकारप्रगटाई तातेंत्रिधारूपकविगाई सात्वि
करजतामससंचरई तातेंपंचतत्वविस्तरई ३ भानभमारुतअनलअनूपा नीरभूमिपुनिविषयस
अ रूपा भयउशब्दस्परसरसगंधा हू दिव्यरूपरसगंधोगाहू ४ दोहा करणितुचांचक्षुनासिकारसना।
इंद्रीज्ञान लिंगहस्तमुखपदगुदाइंद्रीकर्मप्रधान ३ चौपाई दिसापवनसुरभानुसुहाई अस्वनि
कुमारवरुणसरसाई दक्षप्रजापतिइंद्रवसाई पावकजज्ञविष्णुजमराई ५ भातमगुणतेतत्व
अनूपा रजतेइंद्रीदसहुसरूपा सात्विकगुणतेविवुधसुहाई इंद्रीसुरताकोकविगाई ६ अंतःक
रणचारिचितरेषा अहंकारमनबुद्धिविशेषा वासुदेवसंकर्षणजोई प्रद्युम्नसुरअनरुद्धनगो
ई ७ पुनहजीवचितकिसुरगाई अहंकारकेरुद्रसुहाई मनकेइंद्रविदितसंचरई चतुराननबुद्धि
केवरई ८ दोहा वायुप्राणअपानभव व्यानसमानउदान कूर्मधनंजयदेवदत्तनागदस
मक्रिकिलान ९ पंचकोशविज्ञानमयअन्नप्राणमयभाई आनन्दमयमनोमयरा

मदपालगनाई ८ चौपाई इनकिआदिमहभेदअनेकू मैकछुकथनकिएअतिनेकू पंचीकृ
तइनसवनिसुहाई विदितविषयमयरहिहिसदाई ९ जीवसवनिकेअंतर वसही अंतर
व्रह्मजीवकोलसही जडचैतन्यव्रह्मकरिरहई तिनतेव्रह्मभिन्नकविकहई १० जिमिचुंवुक
पाहनलखिलोहा जडस्फुरितहोतनरजोहा तिमिस्फुरितव्रह्मकरिहोई पंचीकृतजडपेषि
ऊसोई ११ व्रह्मजीवपंचीकृतमाही भिन्नरहहिकिमिमिलिवसाही रहहिविशेषभिन्नमिलि
दोई यहविरोधकछुकहहिनकोई १२ दोहा जैसेफूलनमहरहतरससुगंधमिलिदोई जिमि
पेडादिमिष्टानमहस्वादपृथकताहोई १ जैसेक्षीरनमहरहतमाषनघृतमिलाय फलमह
वीजविजांतरजैसेवीजवसाय २ अंतरजामीव्रह्मअरुजीवएकतलयाँहि भिन्नएकभीकहत
हैयहविरोधकछुनाहि ३ चौपाई कर्माधीनजीवफलभोगी साक्षीव्रह्मसुतंत्रअभोगी शुद्ध
दसामहएकलघाईखकेवल्पसहदाससदाई १३ रामचंद्रपंचीकृतमाही एकरूपकिमिव्या
प्तलसाही अनलदारुमहतिलमहतेला रावधातुमहअलघअकेला १४ इत्यादिकतत्वनव
ऊभाँती करिकेतासुविभागसुहाती दरसावोआतमवरभाई परमाविलक्षणरूपसुहाई १५
सात्विकतेजाग्रतदरसाई स्वप्नरजोगुणतेभवभाई सुखोप्तितमंत्रिगुणतेतीता तुरीयव
स्थापरमपुनीता १६ सोरठा जाग्रतवपुस्थूलस्वप्नलिंगतनपेषिअत सुखोप्तिकारण

अव

तूंल तुरीमहाकाररगपरम ९ दोहा अस्थूलतनछुटिजातयहपरालब्धभुक्ताय ज्ञानअ्रा
तेमाकेलहतलिंगसरीरनसाय ६ रामविरहवरअग्नितेकाररगातनजरिजांहि महाकाररग
तनतुरियारामसमीपलसांहि १० तीनिंप्यातीनकुतनयहमायाममकार रामदयालस
तगुरुतेलहहिचतुर्थेशार ११ श्रीश्रीग्रंथतत्वविभीगरामदयालकृतभाखासंपूर्ण ❁
श्रीसीतारामायनमः श्रीभक्तिरसबोधनीग्रंथमंगलाचरणभाषालिख्यते दोहा वंदोशाद
रगुरुचरणसकलसुमंगलरूप जासुकृपाहरिभक्तिकछुवरणोमतिअनरूप १ पावहि
जवअनुबंधजनगुरुतेचारिप्रकार लहहितासुतवरामततरामकृपाकारिशार २ सोर
ठा अधिकारीसनबंध विषयप्रयोजनवेदविधि यहचारुअनुबंध जासुलहहिसोस
तवर १ षटसंपतिलहिजाहि सहिताविवेकविरागउर अधिकारीकहिताहि वरनहिरामद
यालयह २ चौपाई सुनिपुराननिगमादिकशारा समुझिअसारजथासंसारा दारासु
वनधामधनत्यागे रामभजनकोमनअनुरागे प्रापतिमेंकछुभावनतासु परमअचा
हमुमूक्षुदासू यहविरागवरणोकछुभाई अबविवेकवरणोसुखपाई २ समुझिनहनक
रिलेहिसुधर्मा अरुतजिदेहिसमुझिपरधर्मा आतममिलेअनातमपाई यथासुक्षीर
नीरमिलिआई दोहा हंससुक्षीरकोग्रहहिजिमिपरिहरिवारिअहार हरिसनबंधप

दार्थगहितिमितजिदेहिअसार ३ चौपाई इनमेंबुद्धिरहहिदिढताई परमाविवेकतासुकाविगाई
षटुसंपतिवररागोअवभाई षडउसरूपययाविलगाई ४ समदमश्रद्धातितीक्षा जानी उपरति
समाधानसुखषानी चतुरसअंतस्करराासुहाई चितअहंकारबुद्धिमनभाई ५ इनकेवृति
सवेगसमारी होहिधीरसमताहिनिहारी पंचज्ञानइंद्रीवरभाई पंचकर्मइंद्रीदरसाई दो
हा इन्हकेविषयदमनकैजीतिलेहिसुखमानि गावहिरामदयालयहदमताकोपहिचानि
६ चौपाई अंतरकेइंद्रीवरजोई वाहरकेइंद्रीनहिगोई इनकेवेगथीरजवजानी उपरतितव
ताकोपहिचानी ७ अस्तुतिनिंदामानअमानाहर्षशोकद्वंद्वादिकनाना सोसहिसदाएक
रसरहई निगमतितीक्षाताकोकहई ८ वेदवाक्यगुरुवाक्यसुहाई जोसईष्टअनकूल
लषाई तामैअतिप्रतीतदिढाताई सोश्रद्धासुखमूलसदाई ९ परसरूपकेचितवनताई
चितवहिस्वसरूपवरपाई इंगहिनिचितकेवृतिसुहाई समाधानताकोदरसाई १० दोहा
षडसंपतिवररगनकियेमैनिजमतिअनुशार षडसंपतिपुनिकहतहौंषडसररागगत
शार ५ चौपाई जोहरिकेअनुकूललषाई साधनधर्मकर्मविधिभाई सोसंकल्पक
रहिवडवारा यहविशेषमोकोअधिकारा ११ हरिप्रतिकूलनिहारहिजोई धर्मकर्म
शाधनविधिकोई तासुविशेषत्यागकरिरहई यहअधिकारमोहिनहिअहई १२

हरिकोमनकर्मनकरिवानी आतमकरहिसमर्पनजानी कारपन्नहैरामसुखामी ह
मअपधीनीचसकामी १३ पाहिनाथमैवहुदुखपार कृपाविहीनशररातकिआर
गोपतत्वअतिगुप्तसुहाई जोनिगमादिकहतसकुचाई १४ दोहा रामअगाटकरिकी
न्हसोजनकोलीन्हउवारि असकरुनामयकोप्रभुदेखहुहृदयविचारि ६ सवरीकी
कहुजूठफलपावतसंकनकीन्ह वंधुसमानविघ्घकोराममअंकभरिलीन्ह ७ भालकीस
कोमंत्रिकरिपरमशखाकरिलीन्ह दयसरूपनिजमुक्तिपुनिपाहनतरनीकीन्ह ८ चौ
पाई एहिप्रकारहरिकेगुराभाषे करुरगाद्याआदिमनराषे गोपतत्वएहिभाति
सुहाई अववररौारद्दपासुघदाई १५ रद्द्यामेकछुकरहिनसंका हरिभरोसतेरहहि
निसंका जौलोकहुपरलोकसुहाई रद्दयाकरतवारनहिलाई १६ द्रोपतिगजप्रल्हा
दउवारे विभीषनसुग्रीवादिवहुतारे सोप्रभुरद्दयाकरिहहिमेरो यहविस्वासकरहि
उरचेरो १७ यहषडसंपतिविरतिसुहाई सहितविवेकजासुउरआई सोविशेषअ
धिकारीअहई एकविषयताकोतवलहई १८ दोहा निगमादिकसदग्रंथकेर
कविषयपरघुराई जवप्राप्तिभाविषयपहतवसनवंधलसाई चौपाई पर
वि२ मेस्वरतेजीवहिभौंनवसनवंध अनादिलसाई असजीवअसीहरिअहई परमे

३ धर्मधर्मीकविकहई १९ पुनहप्रकासप्रकासीजानी भोक्ताअरुसाक्षीपहिचानी
दीनदयालविरदवडतेरो पुत्रपितासनवंधघनेरो २० सेवकस्वामीसरव्यसुहाई
पतनीपतिसनवंधुलसाई यहसववंधहोहिजवजाको होहिप्रयोजनप्रापतिता
की २१ दोहा सांचप्रयोजनजीवकोभक्तिविनानहिआर ज्ञानविरतिसंज्युक्तासोभ
तिएकादससार १० चौपाई नवधाप्रेमापरासरूपा अंगसाठिअरुचारिअनूपा
अघपहरकेजोकिंकर्जा अर्चापरिमानसपरिचर्जा २२ यहप्रसिद्धचौसठिवरअंगा
सुनहुएकादसदसाप्रशंगा जिमिसुनिरागमगासुघपाई अपनोतुरितदसाभुलिजा
३ २३ तिमिजनरामसुजससुनिभाई मगनहोहिनहिसुनतअघाई जौप्रसंगवक्तावरक
हई सोसमस्तचाररागकरिरहई २४ पुनिएकांतपाछिठहराई लेहिमननकेसुघअधिका
ई श्रवणभक्तियहिभातिलषाई अववररगोकिर्तनवरभाई २५ दोहा नाचाहिगावहि
रामजसमहामगनसुघमाहि मोरमगननिर्तहिजथायहकिर्त्तनवरयोहि ११ चौपाई
रामसरूपलीलागुणनामा सुमिरहिप्रेमसहितनिहकामा सुमिरहिजिमिपतिदे
वतनारी पतिपरदेसविरहउरभारी २६ सुमिरहिकमठअंबुकोजेसे सुमिरनभक्ति
कहहिकवितेसे रामपादशेवनकिमिजानी अर्चापरिमानसपहिचानी २७ तव ३

पतिवर्त्तीपतिशेवहिजैसे दोसरधर्मकर्मतजितैसे प्रथमशरुद्धवाह्यांतरकरई तवचौ
कापार्षदकरिधरई २८ तुलसीपुष्पसुगंधसुवारी धूपदीपनैवेदसमारी पुनिस्नान
सिंगारसुधारी सिंहासनपरहरिहिपधारी २९ दोहा राजभोगधरिआचवनकरि
आरतिदयपान वंदनसैनजगारकरिकरहिरामगुणगान १२ चौपाई स्नेहिमातुय
थासुतरक्ष पोषतिजिमिकरिलाउअनेक तिमिअर्चनवरभक्तिलषाई अववूररगे
वंदनसुषदाई ३० करिसष्टांगवक्षस्थलजोई नाकललाटजानुकरदोऊ कटिसमेत
सर्वांगसुहाई भूमिघसहिनिजदीनजनाई ३१ सर्पयथारथलोटहिजैसे आरतपाहिदं
दमहितैसे वंदनभक्तिलषहुयहिभांती सुनहुशरव्यताभक्तिसुहाती ३२ शेवनसरवा
रूपलषिकरई जातिहरिप्रसन्नमनरहई भोजनसयनचेलिलारिकाई हांसवरावरिसा
थसुहाई ३३ दोहा गमनवैठवोवतकहीकरहिवरावरिमानि परिस्वामीकेरुचिलिये
अभयशरव्यपहिचानि १३ चौपाई दासतभक्तिकरहियहिभांती हरिअज्ञाअनकूल
सुहाती मनतेतजहिपदारथचारी निजदेहादिकरागविशारी ३४ सन्मुखवरहहित्र
सन्नसदाई एकरामपदप्रीतिदिढाई स्वामीरामनीचहमदासा करहिसदायहदिढ
विश्वासा ३५ दासतभक्तिकरहियहिरीती जिमिकरपदलोचनकेप्रीती नयन

देषिपगाचलिसहसाई करकरिकैव्यवहारसुहाई २६ व्यंजनअनेकभाँतिसुधारी षउर
रसचारिप्रकारसमारी भोजनमुख[illegible]कोदेहिपावाई आपुलेसहँस्वादनपाई २७
दोहा मुखसबइंद्रीकोतहाँपोषित्रिपितकरिदेहि हरिअैसोहरिदासअसकरिदासततसुषले
हि १५ चौपाई मनअरुवचनकर्मकरिभाई कराहिसमर्पनआतमपाई आपुअकरतारह
हिसदाई हरिभरोसकरिशून्यपउपाई २८ यहअनन्यावरभक्तिसुहाई अववररोगप्रेमासुष
दाई रामचंद्रकेप्रेमसु[illegible]हाई तामेमगनहोहिसुषपाई २९ कवहिदौरिचलहिहसिजो
ई कवहीवैठिरहहिअतिरोई भूलेदिसाअंगजिमिचलई कोमेकाहसमुझिनहिपरई ३०
दोहा यहप्रेमाहरिभक्तिवरकहिआयेकषुजोई एसाअलक्षितगूढ़गतिपावहिविरलाको
ई १५ चौपाई रामचरणशेवनमेभाई शेवतजाहिविपर्जयआई अपरअंगपटभूषन
भारी अपरअंगसजिदेहिसुधारी ३१ चाष्यिभोजनअवरसुहाई अवरेभोजनदेहिप
वाई जिमिभिलनीफलविदुरसुहाती प्रेमापरामिलितयहिभाती ३२ अतुलितरामरू
पविकारी मोहतकोटिनकामनिहारी जगसमस्तकेजीवसरूपा आकर्षहिसवके
चितरूपा ३३ दोहा ३ माधुर्जलावनछटावाह्यअंतर दरशांत परमहंसादिमुनिनकोवे
गिसमाधिछिपिरात १६ तोटकछंद छविपेषतवेगिसमाधिछिलगैजडिभूतजथानजगा

तजगै जिमिभीतिप्रतीमसिलानउगैसिलपीवरकामजथागाठिगै १ उनकेग्रसरा
मदस्नापूरघैसहसागहिवाहत्त्वाहरखे बहुभांतिप्रशंसिहदैकरखैभरिलोचनवारि
सुधावरखै २ यहदेषिपरैसनकादिमेरघुनाथसमीपवगादिकमे गतिसोरसुतीछ्णाको
वनमेहरिष्याप्रसुधारिलियोछ्नमे ३ दोहा स्वामीकेशामित्यजवभूलिजाहिसुवमा
हि जहाप्रसंशादासकेपरामक्तिवह्यांहि १७ भक्तिकहीभजधातुयहशेवाकरत
वसाई शेवाकहिग्रसब्जेहिस्वामीरहहिसदाई १८ यहचारूत्थनवंधमैवररोमति
अनुशार जानहिजोअनुवंधयहसोपावहिसुषशार १९ होहिममहृद्भक्तसो
वृद्धिलषहिनिस्काम राम दयालताकेउरलहहिसदाविश्राम २० इतिश्रीभक्ति
रसवोधनीग्रंथश्रीरामदयालकृतसंपूर्ण चैत्रमासेशुक्लपक्षे चतुर्थी
संम्वत १८२९ ॥ श्रीसीतारामायनमः अथश्रीरामनामतत्ववोधनीग्रंथमंगलाच
म रणभारवालिष्यते दोहा जनकसुताश्रीरामपदवंदिसुमंगलमूल कहोतासुवरनामक
छुजोमोपरअनुकूल जोजनजापकनामकेसोसवभांतिसुजान शिवविधिभ्सनस
नकादिकवालमीकहनुमान २ जागवलिकनारदघटजभरद्वाजशुकशेस व्यासका
गप्रल्हादध्रुवलोमसगरुडगनेस ३ श्रीवानीगिरिजादितियजीवविविधिसंशार

[illegible]
शीता[illegible]परम तत्व रूपारामनामतिमितत्वअनूपानामजुगलवरभिन्नसुहाई तत्वअभिन्नसदासुष राई ५ १०

५ जाजिभ्यापरनामप्रियवंदियतापदशार ४ जुगलनामकेतत्वविधिकोकाविकहिग्रि
गाह जथाशिंधुषगचंचुभरिसुषसुलहेनहिपाह ५ तथानामअमिशिंधुतेकछुक
लि[illegible]हौंभरिनिह त्रिषित्तअनेकानिजन्मतेभरस्नसुमतिसुदेह ६ चौपाई जगतप्रशिद्धवे
दवरबानी तत्वमशीश्रुतिशामवषानी तासुअर्थनिजमतिअनुमाना करौंनामश्रुतिमि
लितवषाना १ च[illegible]उजुगशीतानामउदारा जामेंततपदवररातकारा अरुतकारमे
दिर्घअकारा त्वंपदशिद्धिविदितसंशारा २ तेअकारसीवरमिलाई होतअशीपदशिद्धि न
सुहाइ ततपदव्यापकब्रह्मरूपा त्वंपदनिर्मलजीवअनूपा ३ पुन्यअसीप
दईश्वरमाया जेसेवृछविराजितछाया ततपदरामशब्दमेंराजे वररारकारविदितव
रगाजे ४ दोहा तासुशब्दमेंपेषिअतत्वंपददिर्घअकार वररामकारअशीमिलितत्वम
शीटकशार ७ चौपाई शीतानामप्रथमसुनिप्यारा पाछेसुनिनिजनामउच्चारा ता
तैंवेगिद्रवहिरघुराई [illegible] दहिसुशंगतिभ
६ क्तिसुहाई कहहुकोनसतशंगतिपाई लहहिभक्तिसंश्रितनसिजाई लीलारामसरूप
प्रशंगा नामधामदासनिकेशंगा ७ यहविशेषपाचहुसतशंगा लहहिजासुरुक
उभरिरंगा तासुसकलसतशंगसुहाई रामकृपाकरिदेहिलषाई ८ दोहा सततशंग ५

रहहियहुविशेषकारणकविकहहि रामनामकारणतसर ९ ८

तिजवमनमिलैकर्मभजनमिलिवोल मिलहिसइष्टउपासनाअसमतशंगअडोल
८ अनलभानुसशिकारणरामनामवरवेद तासुसुशंगतिकरहिजेतेनपरहिभव
षेद ९ कारजकोउतपन्नकरिकारणरहहिनशार भातरूअरजिमिवीजतैंमिलि
वीजअशार १० चौपाई नामकवडुअसहोहिभाई कारणजुगलप्रकारसुहाई
एकसमानसुनहुजसअहई अरुविशेषदूसरकविकहई ८ कंचनकेकारनजसहो
ई मानहुमूलवुटीवरकोई देपाराकरिखाकनकूला धातुविषैलयहोहिसमूला
१० तातैंशिध्दिकनकवरहोई यहसमानकारणनहिगोई अरुपारसतेंसहजकुधा
तू वनहिअतोलकनकविष्यातू ११ आपुवनेपूरणतसैंएकू जोकरिकारजहोत
अनेकू १२ दोहा रामनामकरिप्रगटभावहुपावकरविचंद आपुअनादिअघनुअ
जविदितसच्चिदानंद ११ नामविषैंत्रैष्वडुजेकतकहिआएतुमशार तातपडुजियह
कौनहेतुघनकरववविस्तार १२ रामचरितनिर्मलअगममोमतिजडताविकार तातैंसु
मिरौंनामगुणजातैंवनहिविचार १३ कर्मशुभाशुभवासनाजाकेसुमतिअधीन
मोछिकाछिविकीलालसानिर्मलकथानवीन १४ सोनवैविनुशुद्धमतितातैंकरिय
विचार शाधनतेमतिशुद्धजवतवआवेगुणशार १५ शाधनसूक्ष्मसहेतुवहु

प्रश्न

तरह
उत्तर

६ ध ब रि

जोगध्यानतपदान तीर्थसुवर्तसमाधिजपजज्ञादिकवरज्ञान ९६ सोरठा ज
पाजोग्यबडुकालरतेशानिकरियजव गावहिरामदयाल विन्धिविविधिशा
धनप्रति १ सकालशाधनाशीधिनामरहितसवविन्धिकारीरीधिशीधिनवनीधि
जाकोतुलहिनसुकृतमिलि २ चौपाई नाममहात्मअमितसुहाए निगमादिक
मथिसंतनिगाए सुमिरतसिघ्रशुद्धकैलिहीं ध्वंसिविकारविमलमतिदेही १३
कैसेंदेहिविमलमतिसोई शाधनविनुकैसेशिद्धिहोई तामेंकोनशक्तिवरआई जा
तेंत्रिविधिविकारनसाई १४ रामनाममेंवररराकारा काररारूपाविदितसंसारा
कारजतासुद्धसानुविराजै तामेंतीनिशक्तिवरराजे १५ उत्तप्रकासकदाहकजोई
तीनहुशक्तिप्रसिद्धनगोई आहुतिदेहिअनलमेंकोई शुभशाकल्पजधारपजोई १६
दोहा घृतशक्करमेवादिदधितिलचाउरजवदेहिं तासुशुद्धताभस्मकरिनिजसरू
पकरिलेहिं ११ आहुतिजदपिअनलमेंदैकेअशुभविकार उनहुसरूपनिजदेतु
हैकरिअशुद्धताछार १८ सोरठ रामदयालविचार कारमेंरतिशक्तिजव आपु रा
सरिसकरतार काररामेंकतशक्तितव ३ चौपाई असरकारकाररामेंजोई अ
भिनिवेसवानीमनहोई कामसिकलजज्ञादिसकेली शुभशाकल्पनसहितजनमे ६

ली १७ अशुभकर्मजतघोरविकारा । धनादिवतनसहिअपारा । ध्वंसिरकारअशुभा
शुभदोई देहिशुद्धमतिशीघ्रनगोई १८ अरुअकारकारणमेंजोई अभिनिवेशवा
नीमनहोई ध्वंसहिगूढवानातासू करहिउदोतहृदयमेंवासू १९ कर्मअशुभाशुभ
कलनसारू करिरकारसुनिमोमनुभारू अवस्थितिप्रकारवासनानाशे किमिमका
रसुमिरिकरिआशे २० दोहा तहाँअग्निबराविरतिकेछायारकबुफिलेउ विमलभा
नुअरुज्ञानकेछायारकपुनिसरु १९ जरहिरागवैरागकरिजगकेसर्वअशार हरहिअ
ज्ञताज्ञानकरिअंतरकेतमुकार २० चौ रकारविरतिकेकारणराजे मध्यअकारज्ञा
नकेगाजे अग्निविरतिमेंतेजवसाई भानुज्ञानतेजोमयभाई २१ तेजविरतिमें[illegible]उ
तिअनुरागे अहंविरक्तविषयरसत्यागे ज्ञानविषैंउतिभासितहोई तेजब्रह्मोस्मिअं
तरगोई २२ कारणरूपरकारअकारा तासुतेजकोकहहिअ[illegible]कारा निर्मलभइताते म
तिमेरी गईविध्वंसविकारकरेरी २३ ममउरआयोकारणरूपा विमलरकारअका
रअनूपा कारजतासुविरतिअरुज्ञाना ओहहितिउममउरस्थाना २४ तोटकछंद
इनमाहअहंपदतेजकही तिनआवहिजेममभाहसही करिहेउदवेग[illegible]सवेद
यहीसहिकोनसकेदरसायरही १ ममशीतलशांतिलहैजवही उरआवहि

रामकथातवही इनतेसुषशांतनिकोलहही यहरामदयालसदाचहही २ दोहा
कारण॥शसिअरु भक्तिकेसुमिरौंवररामकार जाकरि शीतलशांतिमतिलहहि
भक्तिसुषशार ११ करहिउत्पनतामंदजिमिअनलभानुकेचंद विरतिज्ञानके
उत्पतिमिकरहिमकारसुमंद २२ सोरठ अनलभानुकेचंदमंदहिउत्पनउदोत
वर करहिभानुतसमंद शितउदोतवरचंदके ४ तोटकछंद तिनकोइविरोध
सदारहही नरकारअकारमकारगही इनकोअति प्रीतिअनादिलहीयहरामद
यालविचारिकही ३ जिमिचंद्रमनीनरकोलहही तिनअग्निसमीपधरैकवही
परिदोउप्रकासवनेरहहीमनिउत्पनशातानलकोहरही ४ दोहा विरतिज्ञानअरु
भक्तिकेरकारअकार मकारउपादानकारणविदितजिमिघटमृत्याअपार २३ पाव
करविअरस्चंद्रकेरकारअकार मकारयहनिमित्यकारणविदित जिमिघटकारकु

दे म्हार २४ महिकेएकहिंसतेघटभाविविधिप्रकार कारजएककुम्हारकेरामदया
लविचार ५ सोरठा विदितप्रभावअपार अमितअर्थअसनाममें कहतनपाव
हिपार शारदशेससमहेसविधि ५ सुमिरतएकहिवार सुचिवाह्यांतरहोतयह
रामदयालप्रकार भजहिधन्यतेशंतवर ६ इतीश्रीनामतत्वबोधनीग्रंथरा

मदयालकविरचितेरामनामार्थसरूपवर्णनोनामप्रथमोविश्राम १ अथ दो
हा नामसरूपक छुप्रववरणोवरअंग जामेंभेदअनेकविधि पाइयकारिस
तसंग १ रामनामकोपेषिअतविधिहरिहरमयसार मयतदात्मककोकहीमय
वाहुल्यअपार २ चौपाई गुणसरूपजाकेएकजानी तासुतदात्मकमयपहिचा
नी भिन्नसरूपगुणजाके होईयहवाहुल्यपरेषहिकोई १ यहसैतामनुष्यमयअ
रई यामनुरहिमयपहलषिपरई रविप्रकासपटशूत्र सुहाई इनआदिकतदात्म
कभाई २ यहमनिहैगजपटमयजोई अन्नआदिमयपेषहुसोई यह पंडितावि
द्यामयभाई भूमिवीजमययहदरसाई ३ परमदिव्यगुणमययह शाधू कुवेरु
धनमयअहहिअगाधू इनहिआदिकेअमितसुहाई यहवाहुल्यप्रशिद्धसदाई
४ दोहा तवहितदात्मकमयकहिगुणातीतजवरूप अहनकरहिंत्रिगुणातिरू
तववाहुल्यअनूप ३ रामचंद्रकीआपनी लघुविभूतिपदएक ताविभूतिमेंपेषि
अतअसवब्रह्मानुअनेक ४ जवहिप्रवृत्तिब्रह्मांनुमेंविधिहरि हर प्रगटाई विधिहरिहर
वाहुल्यमयरामनामतवभाई ५ विधिमयरकारपेषिअतहरिमयदिर्घआ
कार हरमयकहहिमकार कविकारिकर्मालंकार ६ चौपाई यहतिहुशब्दनगु

रानकीजोई शाम्यताशुद्धरूपवरसोई एकप्रणावमैंलक्षितसुहाई तहां वातदात्मकम
यदरसाई ५ प्रणावमुक्तिदायकअसजोई नाममंत्रसान्सनतेततसहोई होतप्रणावकिमि
शीद्धिसुद्धाई रामनाममंत्रसांसतनपाई ६ जोरकारमेंरेफसुहाई ताकोलघुब्रह्मम
यभाई जोरकारमेंअहहिअकारा ताकोलघुनादमयशारा ७ महानादताकोकवि
गावैं जाकोसुनिजोगीसुखपावैं अरुव्याकरणवेदस्वरजेते मध्यअकारतासुमय
तेते ८ हलतमकारविंदुमयराजे तासुअकारजीवमयगाजे प्रणावशीद्धिहोतभव
जवहीं मायाकीकारणलषितवहीं ९ दोहा यहषडतत्वअभावततोरामनामतवहोई
गावहिरामदयालयवूझहिविरलाकोई ६ नादरूपीअकारतहांअर्धभागकरिजोई
होवैशीघ्रिउकारक्वेदशब्दकरिसोई ८ किंतुमुनिनकेवाक्यमैंजहांआर्षपदहो
ई रहहिनहींव्याकरणकेतहांप्रयोजनकोइ ९ चौपाई केवलपदश्लोककेजोई अर्थशीद्धि
ताहीकरिहोई इहांआर्षपदतातेंराजे लेवविचारिप्रशिद्धविराजे १० नरूपीलघअकार
सुहाई सूचितउकारकैवैआई अकारकेपुर्वव्हैकेजोई प्राप्तिविपर्ययव्हैकेहोई ११ तहां
अकारउकारसुहाई भईयोकारदोउमिलिभाई हलतमकारभईअनुस्वाराः भयउशी
द्धितवऊँकारा १२ सोरठा तासुसवर्णमानितवसुअकारमकारकी भवप्रवेसप

हिचानि नादरूपऊँकारमें १ चौपाई अंतरभूतभयोतवभाई तामेंरेफउदारसुहा
ई प्रणवशीद्धिभयोसवहेतु परममुक्तिदायकभवशेतू १३ अथवाकारिव्याकर्णीहुँ
शारा रेफकिविपर्ज्जयबेअकारा द्वौअकारभवएकसवर्णा तासुपुर्वभवरेफविसर्गा
१४ ताविसर्गकीभईउकारा मिलिअकारउभईयोकारा हलमकारअनुशारसुहाई
भवुऊँकारसीद्धितवभाई १५ दोहा त्रितिअकारमकारकीमानिसवर्णोजोई नादरू
पऊँकारमेंभईप्रवेसतवसोई १० चौपाई सोहंवीजप्रणावयहिभाँती नामअंसांस
नशीद्धिसुहाती लघवउकारप्रणावमेंजोई विधिकेरूपतदात्मकसोई १६ अरुअ
कारहरिरूपसदाई हरस्वरूपअनुस्वारसुहाई विधिहरिहरमयतातेंनामासकललो
कदायकविश्रामा १७ तासुप्रणावतेभवहंकारा सतराजसतामसविस्तारा कीन्हअ
हनत्रिदेवउदारा तातेंभयोसकलसंशारा १८ सोरठा पुनहवेदकेप्राणा रामनाम
कोकहतकवि करिहोंतासुवषान प्रणामिनामप्रतापरवि २ प्रमानिकाछन्द न
मामिरामनामकंअनादिवेदप्राणाकं कामादिक्रोधघहारकंभवाब्धिपोततार
कं १ विमोहलोभसोषनंविरागजोगपोषनं दुरासभ्रांतिमोचनंविश्वासआ
सतोषनं २ सदासधर्मपालनंदूष्यादिदुर्गघालनं कुजातिकिर्तभाजनेस्

जातिदुंखलाञ्जनं ३ सुरादिशंतरक्षकं कुरादिवृंदभक्षकं दृजादिधर्मपक्षकंश्र
धारिमात्तृजदक्षकं ४ विवेकज्ञानरंजनंस्नेहभमंभंजनं शुभाशुभादिखंडनंशुभाश
सिद्धिमंडनं ५ हरंतिमात्तसर्जकंत्रिसादिवृंदवर्जकं मदादिमानमर्दकं सिलादिशां
तिपर्दकं ६ अनाथनाथशाहकं कृपालआतिगाहकं अमानभक्तिनाहकं मघाकुर्त
कदाहकं ७ करोतिवोधचंडुतं विज्ञानभक्तिसंयुतं कुरोगसोगसंश्रितं समस्तविघ्न
ध्वंसितं ८ पठंतिअस्तवंइदं करोतिवस्यगोमदं लभंतिराघवंपदं सनंदभक्तिकंसदं
९ दोहा नामभूताप्रअपार हैकरिकोसकेवषान रामदयालसवेदकोदिव्यरूप
प्रियप्राराा १० चौपाई पंचतत्वमयअमलअनूपा जिमिब्रह्मानुसमिष्टीरूपा
ताविकारमयतत्वसुहाई तामयअनुप्रगटतिमिभाई ११ अनुविशेषकहावतएहा
विष्टीरूपनरादिकदेहा पुनिब्रह्मानुअनुवरजोई तातत्वेष्टीतविग्रहदोई २० तामें
प्रााणअपानसुहाई व्यानसमानउदानवसाई एतेपंचतत्तप्रााणअनूपा वर
विराँटमैशुद्धसरूपा २१ ताविकारमयप्रााणसुहाई मनुष्यादिमेंपेषहुभाई
शुद्धरूपतिमिप्रााणापियारा वेदसवनिकेनामउदारा २२ दोहा वेदचतुरपरि

अ

पाँचके एक प्रणावबर मूल शामअथर्वणा यजुर ऋगु पुनह सुस्मृत समतूल २२
चौपाई महाभारतादिकजो अहई ताको सुस्म वेदका विकहई जत पाँच ऊकें अक्ष
र जानी तत स्थूल विग्रह पहिचानी २३ सिद्धांत अर्थ अच्छरके जोई पंचप्रणाजनपेष
हि सोई रेफ अकार रेफ के जोई पेषहु दिर्घ अकार नगोई २४ हल मकार पुनिता सुअ
काराश्रुतिके पंच प्रणायह प्यारा जिमि देहन मे प्रणावसाई प्रणातज हित न म्हाक
कहाई २५ तिमिजे वेद स्मृती सुहाई अरु पुरान इत्यादिक भाई रिचा शूत्र शलोकन
जोई पद अच्छर जो हिमें नाहि होई २६ दोहा रेफ विसर्ग अकार अरु हल मकार अ
नुस्वार यह पाँच हु विन्दु पेषिये ते सव म्हतक अशार २२ पुनह वेद एक तत्वके
कीनु शिद्धांत विचार रामनाम ते हित लव मय रामदयाल पुकार २७ इति श्रीनामत
२ त्वबोधनी ग्रंथ रामदयाल विरचित रामनामार्थ अंग वर्णीनो नाम द्वितीयो विश्राम
२ अथ दोहा रामसब्द ब्रह्म पर अविनाशी यक रूप व्याप्त अमित ब्रह्मान्ड मे अज
अद्वैत अनूप १ जथा व्याप्त नभ सर्व मे रहहि सर्व ते भीन्न तथा सच्चिदानंद घन स
र्व ते भिन्न अभीन्न चौपाई सत एक हियें सत एक सुहाई काल रहित रस एक सदाई
जो काहू ते होहि न कावही जाते होत अमित श्रुति कहही १ चित्त चेतन चेतन कृत अ

१०

रहीं जाहिअविद्याव्यापनकवहीं जोसवकेगतिजानतरहई जाकेगतिकोउजा
निनसकई २ मायाकेसुखदुखजगजोई हर्षशोकइत्यादिककोई जोइनसवतोर
हितसदाई सोआनन्दपरेवहुभाई ३ दोहा इनतेंसच्चिदानन्दविनुअयभागभएिवा
र घालीकतहुनलखिपरैतातेंघेकहिशार ३ चौपाई असप्रशिद्धपरब्रह्मसुसई
अन्तरव्याप्तजीवकेभाई पुनिअसजीवरूपश्रुतिगार अतिशूच्छमतेअलखलखा
र ४ जिमिरविकेत्रिसरेनुलखाहीं जगमगहोतझरोखामाहीं तेत्रिसरेनुएकल
खिलीजे पुनिसतभागतासुकोकीजे ५ तामेंएकभाग पुनिजोई जीवशूक्ष्मता
हुकरिहोई ताकेअन्तरभूतसदाई अतिशूक्ष्मतर ब्रह्मवसाई ६ जीवरूपशूक्ष्मश्रुति
गारए तामेंकिमिपरब्रह्मलखार ७ जिमिमिष्ठान्नपेडादिकमाहीं रसअरुस्वादपुष्ट
तायाहीं ७ दोहा पेडास्थानस्थूलवपुरसवुद्धीमनचीत स्वादस्थानेजीवअरुब्र
ह्मपुष्टतानीत ४ चौपाई यहपदार्थपेडाकोभाई रसगतहोहिकिसरससुहाई प
रिस्वादअरुपुष्टीजोई सर्वोकालरहहिमिलिदोई ८ जथ्याविजांतरवीजवसा
ई जातेंअंकुर होतसुहाई तथ्याब्रह्मजीवामिलिदोई रहहिंएकरसपेखहुसोई ९
दोहा सर्वजीवजगब्रह्मकोतातेंसकहिनजानिपंचजनितयहदेहकोरहेमूढ १०

निजमानि ५ चौपाई जिमिमृगनाभि मृगाकोभाई वसहिंशरकस्तूरीसुहाई
बाहरषोजतजन्ममरामाए ताकेअन्तकतहुनहिपाए १० तिमिषोजतनरमूढभ्र
लाई सर्वव्यापीप्रभुसंगसदाई जौंजननामनिरूपनकरही तौंपरब्रह्मप्रगटल
षिपरही ११ नामनिरूपनकाकोकहहीं जातैंप्रगटब्रह्मलषिपरहीं निरूपनज
त्मनामकेदेई तातैंपरब्रह्मसुषहोई १२ दोहा जैसेरत्नपरेषिकरि रत्नपरतप
हिचानि अपरद्रव्यपरेषिनहिलहतरत्नकोज्ञान चौपाई तैसेहरिकेनामअने
ता समझैअर्थसवनिकेसंता ताकोनामनिरूपनकरहीं जेत्वरदतनिसिवास
ररहीं १३ नामनिरूपनमेंकछुभाईकहनचहौंअतिगुप्तसुहाई जोअतिगुप्त
कहतगुरुआई तौंकछुकहौंरामसिरुनाई १४ रामनयनज्ञतितेजसुहाई व्याप
कब्रह्मसरिफलपाई विमलअकाररेफकेजानी नित्यजीवताकोपहिचानी
१५ विदितअकारमध्यकेभाई मुक्तजीवताकोकविगाई असूमकारकोलष
कप्रकार सर्वजीवसोविविधिप्रकारा १६ दोहा एकहितिनहुअकारपरिजी
वतत्वतिमिरूप हलमकार त्रिशक्तिमयतामेंभेदअनेक ७ चौपाई प

रमदिव्यअल्हादिनिजोई विद्याअपरअविद्यासोई ब्रह्मानंदरूपअल्हादिनि विद्यामें
सव्याप्तसुहाग्निनि १७ परमदिव्यविद्यासुखखानी व्याप्तअविद्यामेंपहिचानी नित्य
जीवश्रुतिशुद्धसुहाई रामसमीपसदादरसाई १८ अल्हादिनिमयविग्रहतासु षट
उविकारतेरहितसुदासु सोपरमात्माकेसुखस्वादक चितचिदरूपदिव्यअल्हादक
१९ नित्यजीवब्रह्मवरजानी अल्हादिनिताकोपहिचानी युक्तिहतत्वअभिन्नसदाई
कथनमात्रकविभिन्नवताई २० दोहा यहतीनहुपरधाममें विग्रहवंतलसाहिं अ
रुवह्मानुनकोसमेंश्रुतिशब्दमतरयाहिं ८ सेवतभगवतभागवतकिंतुभजतअरिना
म स्थूलतत्वतिहुंहोहितव तासुलहहिविश्राम ९ चौपाई मुक्तजीवकेदेहसुहाई
विद्यामयसुविग्रहभाई सुखदुखपुन्यपापनहितासु हर्षशोकउरकबहुनवासु
२१ मुमुक्षुकेतसदेहसुहाई अल्पविद्यामयपेषहुभाई सुषदुखपुन्यपापनहिइन
उ हर्षशोकसममानहितिनहूं २२ अपरअविद्यामयवपुजोई सर्वजीवकिप्रगट
नगोई सुखदुखपुन्यपापवहुकरई हर्षशोकनिसिवासरभरई २३ असत्रयकारहुंवो
कोइकहई यहअक्षरवाचकवरअहई वहरिकहैंश्रुतिगूढअनूपा जातेंदरसहिरा
म सरूपा २४ दोहा रामनयनद्युतितेजछविजोतिरूप

शिरधाम रेफ ब्रह्मपरमात्माशान्तीरूपअरराम १० सवरणातीनिअकारजोरामरूप
तनतेज प्रथमवरनदुतिमध्यउरअंतजानुपणमेज ११ इच्छारूपमकारहलसंपूर
णअल्हाद यहिविधिजोरामहिलैधेताकोमिटैविषाद १२ तोटकछन्द यहनामनिरू
पनदिव्यमहागुणमोहिकहेगुरुदेवगहा ममजानिपरेजसभेदलहा तसमैकछुशा
दरगाविकहा १ यहरूपमहागुणगूढघनीयहजानिजधामतिअल्पगनी उरराखहि
शंभुगनेसफनीमतिमंदसरामस्यालभनी २ चौपाई यहनकिशूकेकहिवेजोगू सु
निममपोचकाल्हिकविलोगू भेकधुकहेरामअनकूलासोकिमिलखहिभक्तिप्रतिकू
ला २५ जोजनराममेउपासकअहहीं जाकेउरअनन्यमतिलहहीं धनुवानादिकअं
कविशेषा जासुपंचसंस्कारशुभेषा २६ दोहा गूढसतत्वनिरूपनकेउनकोभासित
होइ फलीभूतपुनिहोयपणोउनतेरहहिनगोइ १३ चौपाई जोआश्रितसतगुरुकेर
हेई मनवचकर्ममानपरिहरई ताकोनामनिरूपनलहई चतुरअनेकयोजिजगमर
ई २७ ब्रह्मसवनिकेअंतरजेऊ नामनिरूपतदसहितेऊ जिमिपरेघविनुरत्नसुहाई
मोलकरतपुरअंधलजाई २८ रत्नपरेघजवाहिरिकरई तातेंमोलजथारथ

लहई तिमिजवाहिरिसतगुरुभेषा परषहिनामसुरत्नविशेषा २९ जोपरब्रह्मपरों
त्तसदाई नामविषेसोदेहिलषाई नामरत्नब्रह्मवर मोला नामरत्नविनुमिलहिन
मोला ३० दोहा दस सहस्रकेरत्नजिमि दसहिसहस्रविकात अरु सहस्र दसरत्नमें
दामसससदरसात १४ परब्रह्मतिमिनाममेंवसहिरंकारसशार पेषहिकोसतगुरुवि
ना[illegible]रामदयालपुकार १५ इतीश्रीनामतत्वबोधनीग्रंथश्रीरामदयालविरचि
तेरामनामार्थअंगनामनिरूपनवर्णनोनामद्वितियोविश्राम २ अथ दोहा रत्न
परेषहिअमितनरनामपरेषहिकोइ नामअमितभगवंतकेरूपेअनैनसोइ १ का
नारायनकेरूपयहपेषहुवररारकार जोरकार मेरेफवहव्यापकब्रह्मउदार
चौपाई सुचितअकाररेफकेजोई महाविष्णुकेरूपनगोई पुनहअकारमध्यकेभा
ई वासुदेवकेरूपसुहाई १ अरुमकारकेसुचितअकारा महाशंभुकेरूपउदारा
नामहिमाहेंत्तराद्तरदोई रामदयाललषहिजनकोई २ हलमकारतेभक्तरजोई
अक्तरब्रह्मअकारनगोई रेफनिरत्तरब्रह्मअनूपा तासुपरैलषिरामसरूपा ३ ख
रव्याकरणिवेदवर जोई विनुअकारयहहोहिनकोई अंतरताकेप्रगटसरूपा य

हसमुझैसुषहोहिअनूपा ४ दोहा मुर्धनिउर्द्धरकारवसत्रिकुटीवासअकारजि
भ्यावासमकारकेथलथलहोतउच्चार ३ चौपाई रेफाकारसजुहणाराजै मध्यअ
कारलघनवरणोजै भरतमकारप्रेममयशारा पोषणभरणाकरणासंशारा
५ जोगीउघरेफकोजपही ज्ञानीउच्चअकारउचरहीं रामसुदासरकारअकारा
उचरहिशादरसहितमकार ६ चितरंजनकरिलेहिरकारा उरआनंदसदेहिअकारा
मैमेरोहरिलेहिमकारा रामसभक्तिभरहिसुषशारा ७ दोहा मायाकहतमकारकोस
हहठवासिअज्ञान वेदपढेनहिगुरुमिलेकिमिमकारपहिचान ४ चौपाई
पूरमकारहोतहलजोई हलतहोतअखारनगोई तामिलिप्रणावशीहिसुलहई
मायाकीकाररगातिमिश्रहई ८ अर्द्धनामजोगीजनजपई नभमंडलतापरसुषस
जई ज्ञानीसोहंकरिहरिनामा जपहिनिरंतरत्रिकुटीधामा ९ ज्ञानीत्रिकुटीजो
गीनभही अर्द्धनामविनुजिभ्याजपाही तातेंमुक्तिलहहिहिपरिनामा मिलहिन
रामरूपपरधामा १० दोहा दासनिजिभ्यातेजपहिसंपूरणावरनाम तातेनिं
रषहिरामछविपावहिभक्तिसुधाम ५ चौपाई अजामीलगजगनिकोजा

इ नामजीभजापिहरिप्रियहोई जमनधर्यकरिजीभउच्चारा वालमीकप्र ल्हादस्रधारा ११ नामनिरूपनविनुश्रुतिकहई रामसरूपजाननिहिपरई अ वतारीअवतारसुहाई अन्सकलाकोप्रभुसुषदाई १२ नामहितिकथुलआहिस रूपा अवतारीअवतारअनूपा अंसकलासवरस्कसुहाई विजविचार द्वैपरतलषा ई १३ दोहा चारिषानिवरनाममेंलाउक्रूपागुरारूप चतुरपदारथदेनको चतुरउदारसरूप ६ चौपाई चहुजुगनामरूपजसगावा क्रयानामजसक्त निसुहावा लाउदुलारेनामसुहाई जैसोगुरातसनामसदाई १४ नामरूपगुरा मिलितसुहावा जामेक्रयानमिश्रितपावा सतचितआनंदरूपसुहाई सोप्रभ अवतारसुषदाई १५ नामक्रयागुरामिलितविचारी सोपिअन्सअवतारनिहारी नामक्रयावलमिश्रितजानी कलावीश्रुहितकारीमानी १६ दोहा नामअमित अकथाहसवधर्महेतुअवतार मीनकच्छवाराहकहिक्रयानामयहशार ७ चौपाई नरसंज्ञावडपुरुषवलधारि जोसवकेपोषकसुषदाई नामक्रयागुरा मिश्रितपाई सोप्रभुनरसिंहरूपसुहाई १७ वामनवाविकल्पमनजासू

री

क्षयानामलघुक्रियरहतासु धोटकाहवप्रभुताताबडिजानी वामनसोजसवेदव
षौनी १९ परसरामफरसावरधी क्षयानामअभिरामबिहारी रामक्षत्र
गुरानामसुहाई वोधकल्कीसक्षयालषाई २६ दोहा नारायनसनामवरवा
सुदेवसुषधाम ब्रह्मविष्णुहरिकोकहियह पाँचौगुरानाम ८ चौपाई कहेनाम
गुरा क्षयासुहाइ पुनिगुराभेदकहौंसुषदाई विनानामगुराभेदविचारा मि
टहिनजीयकेषेदअपारा २७ परमदिव्यगुराविष्णुशिवमेंभेदनभाइ २८ दो
ते हा करिहैजोयाहिभाँतिसदाअभेदविचार तासुउभैअपराधसोनासिहोवैसुष
शार २९ चौपाई यहअपराधप्रथमकहिभाई दूतीवदनिंदाअधिकाई संत
कतऊकेसऊपरिकोई चितीतासुनिंदाकरिहोई ३० करहिकुकर्मनामबलपाई
सोअपराधचतुर्थोभाई पंचमसर्द्धाहीनसकामा उपदेसहिताकोवरनामा ३१
अमितयुक्तिकेशाधनकहई लघहिनामसमषष्ठमअग्रहई नाममहातमअभि
तसुहाई सप्तममिथ्याकहिसमुझाई ३२ नाममहातमसुनतसुहावा उरविस्वा
सनअष्टमअग्रावा गुरुकोकरहिनिरादरजोई नवमोसोअपराधनगो ३३

दोहा दसमोनामप्रभावमेंकरहिकल्पनाश्रार नामअपरशाधवनमिलेदेहिश्र
तिसुखशार ११ मिलहिश्रतिजोनामकहियहलावहिमनमाहि नामकहत
वडश्राशितोमोहमानसवपाहि १२ सोरठा जानअजानतभाइ होवेहाश्रि
ध पराकत नामजपतनसिजाई अल्पकालमेंपापवह ३ चौपाई कठिननामके
दसअपराधू जानिनकवडकरहिवरसाधू जोजनजानिकरहिअपराधू नाम
न जपतचाहिसोंहिश्रगाधू ३४ जोअपराधअजानतकरई सोश्रारतजपिनोमसु
प धरई रामसमीसिश्रारतवानी नामजपाहिलोचनभरिपानी ३५ तातेंनामहो
हिअनकूला सोअपराधुनासिप्रतिकूला नासिशुभाशुभकर्मअपारा देहि
मोक्षपरिनामउदारा ३६ जानीनामजिपहिसुखपाइ भावसहितअपराधवचा
मी इ गतिशापसहितशारूपा मिलहितासुपरिनामअनूपा ३७ दोहा जोजनपाहि ज
कुभावतेकिंतुअनघकरिनाम मिलहितासुकेल्पपदअनइच्छातपरिनाम १९
आलसपरिश्रान्ततेश्रातिश्रारतजपिनाम पावहितेशालोकपदप्रभुरक्षाहिप
रिनाम १४ यहघोजनअपराधकेनहिजानहिवरजान सुधरहिनामप्रभा

वतेरामदयालवषान १५ इतिश्रीनामतत्वबोधनीग्रंथरामदयालविरचि
ते श्रीरामनामार्थनामनिरूपनश्रपराधमहातमवर्णनोनाम चतुर्थोविश्रा
म ४ संपूर्णसमाप्त श्रीसीतारामजीकोसमर्पनोलिषास्यानश्रीश्रयोध्यामध्य
श्रीप्रमोदवनमेंमितीचैत्रशुक्लापक्षएकादसीगुरुवार सम्वत १९ २९ के
दिन मनवचोहरिनामविसारिपरेगनिकागजगीधउधारितरेहे करिबासहरामपु
कारकरेजनोहरिधामतहाँपगधरेहै १ जडनारिश्रजामिलपापमईहरिनामहितेभव
पारभईहै यहरामदयालविचारिलईहरिनामसदासुषसिंधुमईहै २ श्रीसीतारा
मायनमः श्रथश्रीग्रंथपरधामबोधनीमंगलाचरणामारवा दोहा वन्दौसीताप
तिचरणमंगलभवनश्रनूप जासुश्रजोध्याधामवरवरणोमतिश्रनरूप १ श्र
जोध्याघातश्रजुसुरश्रवध्यवधैकोपार जाहाँकोसमोत्स्यादिकसोकोशलपुर
शार २ सोरठा श्रवधपुरीजोभार यहब्रह्मानन्दकोशमह सदारामप्रियधाई
माधुर्जलीलाधामयह १ श्रवधधामवरजोर २ब्रह्मानन्दकिपरात्पर लषवरा
मप्रियसोइ ऐश्वर्जलीलभोगवह २ चौपाई नित्यश्रपनुरएकरस दोइ वर

गोम्रबप्रकृतिपर सोई ग्रधो ग्रतलग्ररु वितल सुहाई सुतल र सातल लोक [illegible]वसाई १ तलातल लोक महातल जोई ग्ररु पताल सप्तम वर सोई भू ते उर्द्ध भवः वर लोका जोजन लक्ष पचीस विसोका २ योतन हि पुनि वि स्तार सुहाई ग्रल्प स्वर्ग ताको कवियाई जामें उर्द्ध ग्रधो गति भाई तामे वास जान सुर पाई ३ होत कर्म करिके सुर जोई मान हु जान देवता सोई करि [illegible]स कर्म फल भोग विलासा छिन्न पुन्य पुरि [illegible] नीच निवासा ४ दोहा तासु उर्द्ध स्वयः स्वर्गवः जोजन लक्ष पचास तामे जान ग्रजान सुर सक्र वसहि वर वास ५ चौपाई होत सक्र संकल्प सुसुहाई सुर ग्रजानता मे प्रगटाई पुनह ब्रह्म संक ल्प सुहाई विवुध ग्रजान तहा प्रगटाई ५ सक्र संकल्य कि सक्र हि सिंगा मन्वंतर प्र तिपल पर संगा ६ ताके उर्द्ध महर वर लोका पेख ह जोजन कोटि विसोका वसहि हां नृप कस्यप राई प्रजा सहित सुख संपति पाई ७ तासु उर्द्ध जन लोक सुहाई जुग ल कोटि जोजन कवियाई वसहि समान रिषै मुनिराई रामदयाल सदा सुख पाई ८ दोहा तासु लोक ते जुगल गुया उर्द्ध वसहित प लोक पर मतप सी वसहित

हातपहिसरूपविसोक ६ चौपाई तासुउर्द्धसतलोकसुहाई अष्टकोटिजोजनकवि
गाई तामेवसहिव्रह्मसवरजोई ज्ञानअज्ञानसहितसुर दोई ९ सत्यलोकतेउर्द्धप्र
धाना जोजनखोडसकोटिप्रमाना सोकोमारलोकअविकारी वसहितहाँसन
कादिकचारी १० ताकेउर्द्धउमाशुभलोका जोजनवतीसकोटिविसोका तामें
वसहिउमाठकुरानी आदिकुमारिमहाछ्यमानी ११ तासुउर्द्धशिवलोकप्रधा
ना जोजनचौंठाकोटिप्रमाना तामेवसहिसदितत्रिपुरारी शक्तिसहितसुआ
नंदकारी १२ दोहा देवलोकसंज्ञाकहतुरहौंताईसवकोई प्राप्तिहोतसुकर्मक
रिजगतजीवकोसोई ७ उतर उर्द्धअजलोकतेजोजनकोटिअनंत तहाँरमावैकुं
ठवर वसहिविष्णुभगवंत ८ चौपाई जोहरिकर्मसात्विककरई ताकोविष्णु
लोकवरलहई भयोजासुततेव्रह्मंडा ताकेसप्तावरणाअखंडा १३ शिवलो
कतेउर्द्धप्रधाना जोजनकोटिपचासप्रमाना जोजनकोटिपचासकमोटी
यहआवरणपृथ्वीकीछोटी १४ तातेंदसगुणउर्द्धसुहाई दसगुणमोटोजल
केभाई तातेंदसगुणउर्द्धप्रधाना दसगुणमोटोअग्निप्रमाना १५ ता

स

तेंदसगुणाउर्द्धगनाई दसगुणामोटोपवनसुहाई तातेंदसगुणाउर्द्धवषानी
दसगुणामोटोनभकेजानी ९६ दोहा तातेंदसगुणाउर्द्धकोदसगुणामोटो
भार षघमयुहयावरालिषिदिव्यत्रिधाहंकार ९ तातेंदसगुणाउर्द्धकोद
सगुणा[illegible]मोटोभार इयावरीमहतत्वकोलषिसूक्ष्मविस्तार १० यहसातहु
यावरीतेभयब्रह्माडुपशार ताकेभेदनकहतहैजामेंभेदअपार ११ चौपाई
कवहिकरिसंजोगअसकोई इच्छामुक्तिकिनरकोहोई सोसवर्णकीधर्मसुकर्मा
करहिसवासिकतजहिकुकर्मा १७ तातेमहरलोकेतकजाही किंनताससुभागेग
मनाही जोआश्रमकिधर्मसुकर्मा करहिसवासिकतजहिकुकर्मा १८ सोज
नलोकजातहरषाई करहिकर्मफलभोगसुहाई जोतपतीव्रसवासिककरई सो
तपलोकजायवपुधरई १९ विधिवतजज्ञसात्विकिजानी करहिसवासिकजो
सुषमानी सोसत्यलोकमहिकर्मफलभोगसुहाई २० दोहा जोविसुद्धमनदे
हनिजकरहिसवासिकदान सोसनकादिकलोकमेंहरषिजातचढिजान १२
सात्विकिविद्यादिव्यजोकरहिसवासिकदान उमालोकमेंजाहिसोणावहिवे

दपुरान १३ शास्त्रजन्यवरज्ञानजोकरहिसवासिकदानसोशिवलोकमेंजातहै
रामदयालवषान १४ निर्वासिकनहिहोतहैक्रमकांडीयहकोई कर्मकरहिकेसु
करिअगेगमनहिहोई १५ चौपाई स्थूलसूक्ष्मअरुकारणादेहा त्रिगुणाकृतकरे
हिकविरहा स्थूलसूक्ष्मविषयजसजाकेभेदनविधिबरणोअवताको। २१ ताहों
घ्राणाकेविषयसुहाई गंधसुगंधभेदविलगाई जीतिलेहिताकोजनजोई भेदि
जाहिमहितत्कोसोई २२ रसनाकीनिंदास्तुतिजानी अनरससुरसविषयपहि
चानी जीतिलेहिताकोजनजोई भेदिजाहिजलतत्कोसोई २३ विषयनयन
कीरूपसुहाई जीतिलेहिताकोहरषाई तत्वावरणाअनलकेजोई भेदिजाहिता
कोजनसोई २४ दोहा विषयत्वचाकीअस्परससीतउस्नदरसात जीतिलेहि
ताकोनिरषिपवनतत्वभेदिजात २६ चौपाई विषयश्रवणाकीशब्दवषानी
जीतिलेहिताकोपहिचानी तातेंनभतत्कोभेदिजाईस्थूल देहकीभावनसोई
२५ विषयज्ञानइंद्रीकीभाई शब्दादिकपाचोदरसाई प्राणाअपानसमानसु
हाई व्यानउदानपंचकविगाई २६ विषयकर्मइंद्रीकीजानी भक्षणामैथुन

विसर्गवषानी गमनाव्यहारबुद्धि मनराई यहदसा भ्रततत्वदरसाई २७
विषयसूक्षम इन सवकिजोई जीतिलोहिताकोलषि सोई त्रिधा अहंकार भेदिवःजा
ई २८ दोहा अहंकार की विषयउलटिजिवयहवप्रकास चेतनशुद्धसरूप
मैहरि दासनिको दास १७ चितकी विषयउलटिजिवस्वसरूपभई भास चितुव
हि परसरूपतवसवमे हरिकोयहि भांति रामनिवास १८ तोटक छंद चितवैस
वभूतहुमेहरिकोयहि भांतिअनन्यहुदेषरिको तजिकेहियहर्षविषादनको
जयमानअमानसवैअरिको १ दरसैस्वस्वरूपसुअंतरकोपररामसरूपचितैव
रको महतत्वहिभेदिचलैपरकोतवकाररादेहनसेजगको २ गरुवाकालिरसव
हेतुसहीगुरियानिजरूपविशुद्धगही गमनेपरधामप्रमोदलहीयहरामदयाल
विचारिकही ३ इतिश्रीग्रंथपरधामबोधनीरामदयालविरचितंब्रह्मांडतत्वा
वरणभेदनवर्णनोनामप्रथमोविश्राम १ अथ दोहा इहांतोइब्रह्मांडईयहिकेप
रेपरधाम॥ महाविष्णुकेलोक चौपाई जामेमहाविष्णुभगवाना सहस्त्रासिर
चाप्पुर्षपुरानायहब्रह्मांडजासुतेहोई जामेंलीनहोतपुनिसोई १ जासुइच्छा॥

करिप्रगटाई मूलप्रकृतीरूपसुहाई भईमहततत्वप्रकृतिसोई संज्ञामहदतासुतेहो
ई २ तातेभयउत्रिधाअहंकारा तातेंसतरजतमसंचारा भातमयसातेतत्वअ
कासा तातेंशब्दविषयभईभासा ३ भाअकासतेपवनअगाहु तातेभईस्पर
सप्रवाहू भयोपवनतेअग्निसुहाई तातेंरूपभईघरसाई ४ दोहा अग्नितत्व
तेजलभयो तातेंरसभईभाई जलतत्वतेमहिभईमहितेंगंधसुहाई २ तोट
कछन्द महितेभईऔषधऔषधितेत्रिणद्रुमलताअन्नअदिलसे सबजीव
नकोवरपानभसेभईभोगअनादिककर्मकसे १ जबकालमहानप्रलेकिनई
तबपुरुषहिमेंसबहोतलई जततत्वनजौंअनुलोमिभईनततौंप्रतिलोमिविधं
सिगई २ दोहा भईप्राप्तिसबपुरुषमेंसमष्टिजीवजगजोई कारणरूपविराटके
सहस्रसिरघासोई ३ सोरठा सीससहस्रनयनघ्राणसहस्रनकरचर■रा
उरवसहस्रअक्षियन श्रवणासहस्रनअंगवर १ चौपाई वात्सल्यकरु
नागउराजोई पोषनभरनदयादिकसोई परमदिव्यगउराअमितसुहाई

सोरघुपतिकेलखियसदाई ५ तासुअगगानमपविस्त्रहभाई महाविष्णुकेलखियस
दाई सोअगनापृथकपृथकदरसाई सहस्रकोटिप्रतिसोभितभाई ६ तासुउपासक
जोजनअहई सोब्रह्म[illegible]अभेदिसुषकरई तासुलोकके परेसुहाई महाशंभुकेलोक
वसाई ७ ज्योतिसरूपशोभसुषदाई आस्त्रिज्योतिताकोकदिगाई राघवकेतनते
जसुहाई तासुसरूपशोभसुषदाई ८ सोरठा अक्षरब्रह्मउदार जोगीकरहिउपा
सना सोपावहिसुषसार तहाँमुक्तिकैवल्यपद २ चौपाई तासुलोकके परेसुहा
ई वासुदेवकेलोकवसाई तामेवासुदेवभगवाना चतुर्व्यूहश्रुतिजासुवषाना
९ संकर्षनअनरुध्यसुहाई प्रदुमनसहितसदासुषदाई घरास्तेजराघवके
जोई तिन्हअतितेजोमयसोई १० जासुनिरक्षरब्रह्मवषानी तासुउपासहि
संततज्ञानी गतिकैवल्यपरमपदजोई तासुलोकमेंपावहिसोई ११ मुक्तिदू
न्हलोकनकेएकू पृथक[illegible]भावनाजनकेटेकू ज्ञानजोगफलपृथकवता
वैसोजगपंडितब्रह्मांकहावे १२ तोटकछंद यहिलोकनतेगउलोकपरेजह

मागउगोयअनंतचरैं जमुनातट संगसखा विहरै मुरलीधुनिकहअनंतकरैं
३ गउलोकनतेपरओ धवसैन्पनगमहांनजपादरसे चहुओरसुदेससुभाँ
तिलसैगउलोकतथाचहुयोरवसै ८ चौपाई दसआवर्णमहतचहुपासा जो
जनअमितउतंगप्रकासा दसममध्यआवर्णउचाई सवाकोटिजोजनश्रुतिगाई
१३ मध्यभूमिवहुभाँतिसम्हारा सवाकोटिजोजनविस्तारा १४ नातेंजोजनअमि
तउचाई भूविस्तारमध्यअधिकाई ताकेदूनदूनकविगाई नवहुँउँचविस्तारसुहा
ई १५ चारिद्वारचहुदिसालसाई तासुअवनादिव्यसुहाई वहुजोजनचहुव
नविस्तारा तहाँसुमनफलअमितप्रकारा १६ दोहा उतरदिसासरजूतहाँवहहि
सुधामयवारि वुजागंगदछिरादिसावहहिसुवारिसुधारि ९ नवहुद्वारदछि
रादिसाद्वारपालहनुमान अमितपारषदसंगमेंसवकिशोरवलवान ५ चौ
पाई संदरवैससस्याममृदुगोरा भरतलषनजनुरूपकरोरा संदरकनकुसमि
ततहासोहैंघगमृगआदिराममगजोहैं १७ पछीमद्वारनवहुमेंजोई पारष

दनसहितविभीषनसोई स्यामगोरवररूपकिशोरा समाधानसवसखाकरोरा १८ वृंदाबनकुस्मिततहाँसोहै खगमृगआदिराममगजोहै उत्तरद्वारनवहुमेजोई अंगद सहितपारषदसोई १९ आनंदवनकुस्मिततहाँसोहै खगमृगआदिराममगजोहै पूर्वद्वारसुग्रीवसुहाई अमितपारषदसंगसदाई २० दोहा सखास्यामम्रदुगौर सवसुंदरवैसकिशोर वनअसोककुस्मिततहाँ खगमृगजथाचकोर ६ तोटकछंद वहुदाससखानवभूमितहाँ हरि शोविरहेचहुओरजहाँ मनिमैवहुधामवि चित्रमहाँ सवभाँतिसुवाससुरंगतहाँ ७ नवभूमितहाँ विदमेसगरे घिराद्रुमे तादितथापधरे वहुकूपतडागसुनीरभरे जनमैनसपानिसुधारिधरे ६ वहुभा तिसरोजसुरंगतहाँ वहुभृंगमरालचकोरजहाँ वहुकीरखगादिकबोलिरहा जनु गावतमैनसुराग महा ७ वनवागतहाँचहुओरघनेवरवेलिलतादिवितानतने वटशाहतमालफलादिवने वहुकंदजथाअमिस्वादसने ८ वहुकुंदवकुलकं दंमतहा तुलसीपनसादिरसालजहाँ इत्यादिकनिकनभाँतिरहायहरामदया

लसग्रल्पकम ६ चौपाई मध्यदसमग्रावर्णिनाईपरमदिव्यसवभाँति
सुहाई मनिमयमंदिरतहँअनेका परमविचित्रएकतेंएका २१ तामेंअमित
सखिनकीवासा परमरंभसवभातिसुपासा कल्पवृक्षतामध्यसुहाई घवा
कारसदासुखदाई २२ रत्नमयपेडपत्रफलफूला विदमयरामकृपाअन
कूला छायाअचलअवछिअमिभाई तातरअनुपमादिव्यसुहाई २३ कनक
मनिनमयदिव्यअटारी अष्टमहलचहुओरसमारी चारिद्वारचहुदिसा
सदाई मध्यअमितविस्तारसुहाई २४ दोहा मनिमयखंभविचित्रवहुअनूप
केचहुओर महलविलोकहिमैंनजनुअमितघडेचितभोर ७ चौपाई महाउ
तंगमहलदरसाई जनुसुमेरुकेश्रृंगसुहाई कलसततपुकंचनमयसोहेजनु
ससिपूर्णउदितमनमोहे २५ जुकीझरोषाचहुदिसिकैसे हरिहिउअकिरनहवे
षाहैतैसे चहुदिसिवंदनवारसुहाई धुजापताकाऊपरछाई २६ अनुपमम
ध्यवेदिकाराजे तापररत्नसिहासनछाजे तापरदिव्यकंजमदुजोई दलसह

मकेसोभितसोई २८ तापरमहातीनिसुहाई अनलभानुससिकेसुषदाई ता
पररामविराजहिंआवैं वामभागसीताछविछावे २९ दोहा भरतादिकभ्रा
तासुहृदहनुमदादिप्रियदास सियारामपदपंकजजुगसेवहिंपरमहुलास
० तोटकछंद कोचामरछत्रलिएहरषैकतव्यंजनवीनलिएपरषैं कतआर
तिदिव्यलिएनिरषैकतपुष्पसुगंधलिएवरषै १० कतसायकचापनिषंग
धरैं नउवेदलिएकतधूपकरैं कतवारिलिएकरपांनवरैं कतवाजतजंत्रसु
रंगभरैं ११ सवहेतुसियावररामजहांसवभांतिसुमंगलमोदतहां कतहोत
विनोदअनंदमयंयहरामदयालविलोकिकहा १२ दोहा सखासखीप्रियदा
ससवनिरषहिंरूपकिसोररामदयालअघातकिमिदंपतिचंदचकोर ० चौपा
ई यहब्रह्मंडकोसमेभाई दिव्यअजोध्याधामसुहाई जोयहजानिअनन्यसु
दासा इहांभावनाकरहिंनिवासा २९ सोब्रह्मांडभेदिपरिनामा पहुचहिंमहा
विष्णुकेधामा महाविष्णुअतिकरिसनमाना दिएपारषदसंगसुजाना ३०

महाशंभुकेलोकसुहाई छनमेतहादिरपहुंचाई महाशंभुअतिआदरकीन्हा ताकेशं
गपारषददीन्हा ३१ वासुदेवकेलोकसुहाई छनमेंतासुतहांपहुचाई वासुदेवअ
तिशादरभाईपहुंचारगउलोकसुहाई ३२ दोहा अवधनिकटविरिजावहैउतरिगए
सोपार निजआचार्जहनुमततहां मिलेपरमहितकार १० चौपाई शादरकुसलपू
छिहनुमंताजानिदाससुषभयोअनंता लिएशंगपहुंचावनहेतू राजतजहांभानुकु
लकेतू ३३ पहुंचेसन्मुषद्वारसुहाई पुलकगातलोचनजलछाई पाहिनाथकहिपा
हिपुकारी घसेदंडइवआरतभारी ३४ आरतगिरासुनतउठिधाई विसरेसरधनु
पीतसुहाई सहसारामलिएउरलाई नवसरोजलोचनजलछाई ३५ वडीवारल
गिरहेनिहारी कृपानिधानदीनहितकारी पूछहिकुसलकृपाजलगाई गहिपद
कंजकहहिसकुचाई ३६ दोहा कुसलभईसवभांतिअवपरसिकंजपदनाथ भ
ईप्राप्तिनिजरूपममतवप्रसादरघुनाथ ११ सुनिप्रसन्नसीताभईजानिअन
न्यसुदास तासुउचितआज्ञादईकरहुशेव्यसुषवास १२ निजआचार्जताको
मिलेजानिदासगहिलीन्ह फिरपूर्वजसभावनातसशेवाशिषदीन्ह १३ भर

व्रतार घरूपसोपारपरम सुधाम रामदयाल आचार्जी पद प्रगामिकीन्ह विश्राम १९ इतीश्रीग्रंथपरधामबोधनीरामदयालविरचिते परात्परधामवर्णनोनाम द्वितियोविश्राम २ संपूर्णा श्री सीताराम जूकै समर्पणमस्तु वैसाखमासे कृष्णपक्षे दशम्यां गुरवासरे लिखितं जानकीदासेन श्री अयोध्यायाम् प्रमोदवाटिकायां सम्वत् १९ २९